भारत और साओ टोम एवं प्रिंसिपे संबंध

विशेष रूप से 1975 के बाद (साओ टोम एवं प्रिंसिपे की आजादी के बाद) सामान्यतया भारत और साओ टोम एवं प्रिंसिपे के बीच संबंध मधुर एवं मैत्रीपूर्ण हैं। कभी – कभार बहुपक्षीय बैठकों के कारण उच्च स्तरीय अंत: क्रियाएं सीमित हैं। साओ टोम एवं प्रिंसिपे भारत के साथ घनिष्ट संबंध विकसित करने का इच्छुक है, भारत को एक संभावित सामरिक साझेदार के रूप में मानता है तथा इस संबंध में कोई संस्थानिक व्यवस्था स्थापित करने का इच्छुक है।

राजनीतिक

दोनों देशों के नेता कुछ अंतर्राष्ट्रीय मंचों जैसे कि यू एन, नाम आदि के दौरान अतिरिक्त समय में मिलते रहते हैं। साओ टोम एवं प्रिंसिपे के तत्कालीन विदेश, सहयोग एवं समुदाय मंत्री डा. कार्लोस अल्बर्टो पिरेस टिनी ने 29 नवंबर से 2 दिसंबर 2009 के दौरान भारत का दौरा किया था। पुर्तगाल से इस द्वीपीय राष्ट्र की 1975 में आजादी के बाद किसी भी पक्ष की ओर से यह पहली उच्च स्तरीय यात्रा थी। इस यात्रा के दौरान, साओ टोम एवं प्रिंसिपे के विदेश मंत्री ने तत्कालीन विदेश राज्य मंत्री डा. शशि थरूर के साथ सघन चर्चा की थी जिसके तहत द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलू शामिल हुए थे। दोनों पक्षों ने विदेश कार्यालय परामर्श के लिए एक प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए जिससे दोनों देशों के विदेश मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय मुद्दों पर नियमित रूप से बातचीत करने में समर्थ हुए हैं। भारत ने साओ टोम एवं प्रिंसिपे के लोगों के त्वरित आर्थिक एवं सामाजिक विकास को सुगम बनाने के लिए आधिकारिक विकास सहायता, तकनीकी सहयोग एवं क्षमता निर्माण के रूप में साओ टोम एवं प्रिंसिपे अपने समर्थन का आश्वासन दिया। इस संदर्भ में, भारत सरकार ने एस एम ई सेक्टर के विकास के लिए एक प्रौद्योगिकी इनक्यूबेशन सह उत्पादन केंद्र स्थापित करने के लिए 1 मिलियन अमरीकी डालर के अनुदान तथा शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्रों में तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 10 मिलियन अमरीकी डालर के एक अन्य अनुदान की घोषणा की। कृषि, क्षमता निर्माण और अवसंरचना के क्षेत्रों में प्राथमिकता वाली परियोजनाओं, जिनकी पहचान साओ टोम एवं प्रिंसिपे द्वारा की जानी है, के लिए 5 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता पर अनुकूल ढंग से विचार करने पर भी सहमति हुई। साओ टोम एवं प्रिंसिपे ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्य के रूप में भारत की उम्मीदवारी के लिए अपने समर्थन की घोषणा की। इसने 2011-2012 के कार्यकाल के लिए अस्थाई सीट के लिए भारत के पक्ष में मतदान किया था।

सितंबर 2008 में साओ टोम एवं प्रिंसिपे को भारतीय उच्चायोग, लागोस (नाइजीरिया) से भारतीय दूतावास, लुआंडा (अंगोला) को समवर्ती प्रत्यायन के रूप में अंतरित किया गया। साओ टोम एवं प्रिंसिपे के तत्कालीन राष्ट्रपति फ्राडिक बांडेरा मेलो डे मेनीजेस को अपना प्रत्यय पत्र प्रस्तुत करने के लिए राजदूत ए आर घनश्याम ने 9 से 14 नवंबर 2008 के दौरान साओ टोम एवं प्रिंसिपे का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान, उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग के तहत संभावित परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री तथा विदेश मंत्री, कृषि मंत्री, मछली पालन मंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री से मुलाकात की। साओ टोम एवं प्रिंसिपे के उच्च पदाधिकारियों ने भारत के साथ राजनीतिक, आर्थिक एवं वाणिज्यिक संबंधों को बढ़ाने में गहरी रूचि का प्रदर्शन किया। अपना प्रत्यय पत्र प्रस्तुत करने के सिलसिले में राजदूत देबराज प्रधान ने 25 से 30 मार्च 2012 के दौरान साओ टोम एवं प्रिंसिपे का दौरा किया। 27 मार्च 2012 को उन्होंने राष्ट्रपति मैनुएल पिंटो डा कास्टा को अपना प्रत्यय पत्र प्रस्तुत किया। अपने प्रवास के दौरान, उन्होंने प्रधानमंत्री पैट्रिक ट्रोवाडा तथा विदेश मंत्री और वित्त मंत्री एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मंत्री से मुलाकात की। साओ टोम एवं प्रिंसिपे के उच्च पदाधिकारियों के साथ अपनी बैठक के दौरान राजदूत प्रधान ने दोनों देशों के बीच सहयोग का और विस्तार एवं सुधार करने के उपायों एवं तरीकों पर चर्चा की। बाद में उन्होंने साओ टोम में अखिल अफ्रीकी इलेक्ट्रानिक संपर्क परियोजना के स्थलों का दौरा किया। अलग से, राजदूत प्रधान ने मार्च 2012 में उस समय

लोक निर्माण मंत्री एवं शिक्षा मंत्री से मुलाकात की जब वे अंगोला के आधिकारिक दौरे पर थे। राजदूत देबराज प्रधान ने साओ टोम एवं प्रिंसिपे के प्रधानमंत्री गैब्रिएल डा कास्टा की अंगोला की यात्रा के दौरान जून 2013 में उनसे मुलाकात की। राजदूत देबराज प्रधान ने एक अंतर्राष्ट्रीय दाता सम्मेलन में भाग लेने के लिए 9 से 11 जुलाई, 2013 के दौरान साओ टोम का भी दौरा किया, जिसे साओ टोम एवं प्रिंसिपे सरकार तथा यू एन डी पी के नेतृत्व में यू एन एजेंसियों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। राजदूत देबराज प्रधान ने सम्मेलन के दौरान अतिरिक्त समय में साओ टोम एवं प्रिंसिपे के प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री एवं योजना व वित्त मंत्री से मुलाकात की तथा द्विपक्षीय मसलों पर चर्चा की।

साओ टोम एवं प्रिंसिपे ने नई दिल्ली में 26 अक्टूबर 2015 से आयोजित तीसरी भारत – अफ्रीका मंच शिखर बैठक में भाग लिया। शिष्टमंडल का नेतृत्व प्रधानमंत्री श्री पैट्रिक ट्रोवाडा द्वारा किया गया तथा इसमें विदेश मंत्री शामिल थे। प्रधानमंत्री श्री पैट्रिक ट्रोवाडा ने भारत के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

व्यापार

साओ टोम एवं प्रिंसिपे हर साल पूरी दुनिया से 145 मिलियन अमरीकी डॉलर मूल्य के उत्पादों का आयात करता है। भारत और साओ टोम एवं प्रिंसिपे के बीच व्यापार कमोबेश नगण्य है। हालांकि साओ टोम एवं प्रिंसिपे के आयातक भारत से अपनी रूचि की विभिन्न वस्तुओं की खरीद करने के इच्छुक हैं, उनकी ओर से जो लगातार शिकायतें की जा रही हैं उनमें से एक यह है कि लदान का समय एवं लागत अधिक है। आयात की मुख्य वस्तुओं में भेषज पदार्थ, जैविक रसायन, कॉटन तथा आप्टिकल, फोटोग्राफिक, मेडिकल इंस्ट्रूमेंट आदि शामिल हैं। पिछले 5 वर्षों के द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़े नीचे दिए गए हैं :

(मिलियन अमरीकी डालर में)

	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
भारतीय निर्यात	11.42	17.15	21.31	17.24	15.01
भारतीय आयात	0.11	0.02	0.00	0.00	0.05
कुल व्यापार	0.88	1.47	1.05	1.27	1.17

तेल

नाइजीरिया – ओ एन जी सी नर्मदा लिमिटेड में पूर्णत: स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के माध्यम से संयुक्त विकास क्षेत्र के ब्लॉक 2 में ओ वी एल के 13.5 प्रतिशत शेयर हैं।

ऋण सहायता :

साओ टोम एवं प्रिंसिपे को 2009 में प्रदान की गई ऋण सहायता (5 मिलियन अमरीकी डालर + 1 मिलियन अमरीकी डालर) का उपयोग नहीं हो सका क्योंकि साओ टोम एवं प्रिंसिपे के प्राधिकारी ऋण सहायता की शर्तों एवं निबंधनों के तहत अपेक्षा के अनुसार विशिष्ट अवसंरचना परियोजनाओं के लिए जमीनी कार्य तैयार करने की स्थिति में नहीं थे। साओ टोम एवं प्रिंसिपे के प्राधिकारियों ने ऋण सहायता को पुनरूज्जीवित करने में अपनी रूचि प्रदर्शित की है।

अखिल अफ्रीकी ई-संपर्क परियोजना

साओ टोम एवं प्रिंसिपे के प्राधिकारी आई ए एफ एस – I के निर्णय के तहत प्रस्तावित अखिल अफ्रीकी ई-संपर्क परियोजना का कारगर ढंग से कार्यान्वयन कर रहे हैं। परियोजना के कार्यान्वयन पर नजर रखने के लिए टी सी आई एल ने साओ टोम में एक इंजीनियर तैनात किया है। साओ टोम एवं प्रिंसिपे करार पर हस्ताक्षर करने वाला 47वां अफ्रीकी देश था।

तकनीकी सहयोग

साओ टोम एवं प्रिंसिपे को आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत हर साल 5 स्लॉटों का आबंटन किया जाता है।

अब तक साओ टोम एवं प्रिंसिपे के केवल एक राजनयिक ने एफ एस आई, नई दिल्ली में पी सी एफ डी पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

करार

भारत और साओ टोम एवं प्रिंसिपे के बीच विदेश कार्यालय परामर्श के लिए प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर नवंबर 2009 में साओ टोम एवं प्रिंसिपे के तत्कालीन विदेश मंत्री की भारत यात्रा के दौरान किए गए थे।

भारतीय समुदाय

1961 तक साओ टोम एवं प्रिंसिपे में भारतीयों का एक लघु समुदाय था जो गोवा की मुक्ति के दौरान अन्य देशों में पलायन कर गया। साओ टोम एवं प्रिंसिपे में केवल कुछ भारतीय हैं जो खाद्य क्षेत्र में काम कर रहे हैं परंतु पड़ोसी देशों में बसने वाले भारतीय व्यापारी व्यापार के लिए साओ टोम एवं प्रिंसिपे का दौरा करते रहते हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, लुआंडा की वेबसाइट :
http://www.indembangola.org/
भारतीय दूतावास, लुआंडा का फेसबुक पृष्ठ:
https://www.facebook.com/pages/Embassy-of-India-Luanda/209463462473631

***

जनवरी, 2016